

# 'डॉक्टर' बना खासदार...

## महाविकास आघाड़ी व महायुती के बिच रही काटे की टक्कर

### भाजपा ने सीट गवाई : महाविकास आघाड़ी के डा. प्रशांत पडोले को पाच लाख से अधिक वोट

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

**भंडारा** : कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले के गृहजिले में महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवार डॉ. प्रशांत पडोले को भंडारा - गोंदिया लोकसभा सीट पर बड़ी जीत मिली है। कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. प्रशांत पडोले ने भाजपा के उम्मीदवार सुनिल मेंडे को पराजित किया। कांग्रेस उम्मीदवार को पाच लाख से अधिक वोट मिले हैं। 25 वर्षों बाद वोटों ने यहा पंजा चुनाव है।

भंडारा - गोंदिया लोकसभा चुनाव के लिए 19 अप्रैल को मतदान हुआ था। इस चुनाव में कुल 18 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। मंगलवार सुबह 8 बजे से पलाडी ग्राम के स्ट्रॉंग रूम के पास मौजूद हॉल में वोटों की गिनती शुरू हुई। शुरूआती चार घंटे तक कुल 13 राज्ज तक भाजपा के सुनिल मेंडे आगे रहे। पर बाद में कांग्रेस को बढ़त मिलती गई। अंतिम बचे कुछ राज्ज तक जीत निश्चित नहीं हो पायी थी। लेकिन बाद में डा. प्रशांत पडोले ने पाच लाख से अधिक वोट हासिल कर 30 हजार से अधिक वोटों से जीत सुनिश्चित की।

इस दौरान मतगणना परिसर में अलग अलग पार्टियों के कार्यकर्ताओं और नागरिकों की भीड़ दिखायी दी। महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवार



डा. प्रशांत पडोले मौके पर पहुंचे तो गुलाल उड़या गया। कांग्रेस ने 25 वर्षों बाद भंडारा झ गोंदिया लोकसभा सीट पर कब्जा किया है।

**बागियों को वोटों ने धुल चटायी**

भंडारा झ गोंदिया लोकसभा सीट पर बगावत देखी गई। कांग्रेस के पूर्व विधायक सेवक वाघाये ने टिकट न मिलने पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना

पटोले पर गंभीर आरोप करते हुए निर्दलीय चुनाव लड़ा।

वाघाये ने जीत का दावा किया लेकिन वोटों लेने में वह पाचवे स्थान पर रहे। सेवक वाघाये 15 हजार भी वोट नहीं ले सके। इसी तरह भाजपा के बागी नेता पूर्व जिला महामंत्री संजय कुंभलकर ने टिकट न मिलने पर बसपा में प्रवेश किया और

चुनाव लड़ा। कुंभलकर 25 हजार से कम वोट लेकर चौथे स्थान पर रहे। वोटों ने बागियों को धुल चटायी।

**बसपा, वंचित का सुपड़ा साफ**

लोकसभा चुनाव में भंडारा झ गोंदिया सीट पर बसपा व वंचित बहुजन आघाड़ी की करारी हार का सामना करना पड़ा। पिछले बार वर्ष 2019 में

बसपा की उम्मीदवार विजया नंदुरकर को 52 हजार वोट मिले थे। पर इस बार बसपा के उम्मीदवार आधे भी वोट नहीं ले सके। यही स्थिति वंचित बहुजन आघाड़ी के संजय केवट की भी दिखी। यहा डा. प्रकाश आंबेडकर की सभा हुई थी। लेकिन उनकी सभा का परिणाम नहीं दिखायी दिया। बसपा व वंचित का सुपड़ा साफ हो गया।

## पालांदुर-लाखनी मार्ग पर सुबह 11 बजे के बाद बस नहीं



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

**लाखनी (भंडारा)** : पालांदुर परिसर के छात्र शिक्षा के लिए एवं नागरिक भी काम के लिए लाखनी, भंडारा, साकोली जाते हैं। पालांदुर से सुबह 11 बजे की बस है, किंतु इसके पश्चात एक भी बस फेरी नहीं होने के कारण यात्रा करनेवाले छात्रों समेत नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर के समय पालांदुर से लाखनी बस फेरियां बढ़ाने की मांग छात्र एवं नागरिकों द्वारा जा रही है।

लाखनी तहसील का पालांदुर गांव तहसील के अंतिम छोर पर बसा है। लाखनी से पालांदुर के बीच अनेक गांव हैं। इसी के साथ ही बड़ा बाजार होने से परिसर के अधिकांश नागरिक पालांदुर से आवाजाही करते हैं। पालांदुर से सुबह 11 बजे की

लाखनी बस है।

इसके पश्चात 11 बजे से शाम 3 बजे तक एक भी बस नहीं है। इसलिए लाखनी तथा पालांदुर से यात्रा करने के लिए ऑटोरिक्षा का उपयोग करना पड़ता है।

इसमें भी ऑटोरिक्षा चालक सवारी भरने तक नहीं चलते। जिसके कारण घंटों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। गरीब नागरिकों को महाराष्ट्र शासन के परिवहन निगम की बस के अलावा दूसरा पर्याय नहीं है।

इसके पूर्व पालांदुर से लाखनी मार्ग होते हुए भंडारा, लाखनी, तुमसर ऐसे संपूर्ण दिन प्रत्येक आधे घंटे में बस फेरियां नियोजित थीं, जिससे यात्रियों को सुविधा मिल रही थी। सुबह 9 से 9.30 बजे तक पालांदुर से जाने के लिए बस है। किंतु लाखनी से वापस लौटने पालांदुर के लिए दोपहर से शाम तक एक भी बसफेरी नहीं है।

## कांग्रेस की गुजरात में 10 साल बाद वापसी, राजस्थान में भाजपा ने 14 सीट जीती

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

**भंडारा** : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के बहुमत हासिल करने में विफल रहने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर सवाल उठेंगे, सिंह ने कहा, 'मोदी के नेतृत्व को लेकर भाजपा के भीतर भी सुगबुगाहट होगी।' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिंह ने भविष्य में लोकसभा चुनाव न लड़ने की घोषणा की। लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को जारी मतगणना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 292 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया 233 सीटों पर आगे है। इसके साथ ही यह संकेत भी मिल रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी



लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर देश की बागडोर संभाल सकते हैं और उनका सामना एक मजबूत विपक्ष से हो सकता है।

अब तक के रूझानों के मुताबिक भाजपा 542 सीटों में से 233 पर

आगे है, जबकि कांग्रेस ने 97 पर बढ़त बना रखी है। इन रूझानों के अनुसार भाजपा को काफी नुकसान होता दिख रहा है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने अपने दम पर 303 सीटों पर

जीत दर्ज की थी। कांग्रेस इस चुनाव में 52 सीटों पर सिमट गई थी। उसे इस चुनाव में खासी बढ़त मिलने के संकेत मिल रहे हैं।

अगर नतीजे कमोबेश रूझानों के अनुरूप रहते हैं तो लोकसभा में राजग पहले के मुकाबले कमजोर स्थिति में रहेगा, जबकि विपक्ष अब मजबूत भूमिका में दिख सकता है। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन ने भाजपा को मजबूत टक्कर दी है। भाजपा जहां 36 सीटों पर आगे है जो कि पिछली बार के 62 सीटों से बहुत कम है। वहीं समाजवादी पार्टी 33 सीटों के करीब है। साल 2019 के पांच सीटों के मुकाबले वह बहुत आगे है।

## जीवनदायिनी बावनथड़ी नदी का अस्तित्व खतरे में

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

**गोबरवाही** : तुमसर तहसील की जीवनदायिनी बावनथड़ी नदी का अस्तित्व रेत तस्करो के कारण अब खतरे में है। नदी से रेत उत्खनन का काम जोरों पर चल रहा है। यहां के देवनारा, चंदमारा, लोभी, आष्टी, पाथरी, घानोड घाट से रेत का अवैध रूप से उत्खनन किया जा रहा है। वही घानोड गांव की स्थिति बहुत ही अलग है।

यह गांव धुटेरा घाट ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है, पुलिस थाना गोबरवाही धुटेरा में आता है। परंतु घानोड गांव को



दूर के सिहोरा पुलिस थाने से जोड़ दिया गया है। इस कारण खनिज, राजस्व विभाग का इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। परंतु, रेत तस्करो में कोई डर-भय

दिखाई नहीं दे रहा है। वे बेखौफ होकर रेत उत्खनन कर रहे हैं। घानोड गांव में रेत उत्खनन कर बड़े-बड़े ढेर लगाए जा रहे हैं।

इस संदर्भ में ग्रामीणों ने बताया कि खेतों के बीच से रस्ता बनाकर अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर लाखों रुपए का चूना प्रशासन को लग रहा है। लेकिन राजस्व प्रशासन द्वारा इस बारे में कोई निरीक्षण किया गया न ही कोई कार्रवाई की गई।

दिन-रात वाहनों के परिवहन से घानोड गांव के नागरिक परेशान हो रहे हैं। जबकि सरकार ने डिपो तथा आम आदमी को सस्ती दर में रेत देने के लिए स्वीकृति दी है। परंतु यहां की रेत बड़े शहरों और महानगरों को निर्यात की जा रही है।

महाराष्ट्र कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष व आमदार आमचे मारुदेशिक, लोकनेते, भूमिपुत्र

**मा. नानाभाऊ पटोले**  
आयणस वातदिवसाच्या हार्दिक शुभेच्छा...!

**डॉ. प्रशांतभाऊ पडोले**  
यांची भंडारा/गोंदिया लोकसभा मतदारसंघाच्या पदी निवड झाल्याबद्दल हार्दिक अभिनंदन

अध्यक्ष - भंडारा जिल्हा कांग्रेस कमेटी रोजगार व स्वयंसेवा विभाग  
सचिव - भंडारा जिल्हा कांग्रेस कमेटी, भंडारा

## महाराष्ट्र में इखठ से आगे निकली कांग्रेस, राज्य में NDA को MVA ने दिया तगड़ा झटका

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

**भंडारा** : महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों के लिए मंगलवार (4 जून) को जारी मतगणना में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन और विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के बीच कड़ी टक्कर चल रही है। रूझानों के अनुसार कांग्रेस अब बीजेपी से आगे निकल गई है। चुनाव आयोग की वेबसाइट के मुताबिक प्रदेश में कांग्रेस 12 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं, बीजेपी 11 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। वहीं, महाविकास अघाड़ी के घटक दल शिवसेना यूबीटी 10 सीटों पर आगे है।

**कांग्रेस किन सीटों पर आगे ?**

कांग्रेस जिन सीटों पर आगे (जीत/बढ़त) हैं उनमें



**शिवसेना (यूबीटी) का हाल**

शिवसेना (यूबीटी) जिन सीटों पर आगे (जीत/बढ़त) है उसमें यवतमाल, हिंगोली, परभानी, नाशिक, मुंबई नॉर्थ ईस्ट, मुंबई साउथ, शिरडी और उस्मानाबाद

सीट शामिल हैं।  
यूपी के बाद महाराष्ट्र में लोकसभा की सबसे ज्यादा सीटें उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र में लोकसभा की सबसे ज्यादा सीटें हैं और इसलिए हार-जीत में इसकी बड़ी भूमिका होगी। विभिन्न दलों के 1,121 उम्मीदवार अपनी किस्मत के फैसले का इंतजार कर रहे थे। मुख्य मुकाबला बीजेपी नीत महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के बीच देखने

को मिला। महायुति में शिवसेना, बीजेपी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख दल हैं। एमवीए में शिव सेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) और कांग्रेस प्रमुख हैं। राज्य से कुछ प्रमुख उम्मीदवारों में केंद्रीय मंत्रियों नितिन गडकरी, नारायण राणे, पीयूष गोयल, भारती पवार, रावसाहेब दानवे और कपिल पाटिल के अलावा नवनीत कौर-राणा, उज्वल निक्कम, डॉ. श्रीकांत शिंदे, छत्रपति उदयनराजे भोसले, सुनेत्रा अजित पवार और सुनिल तटकरे शामिल के नाम शामिल हैं। विपक्षी उम्मीदवारों में छत्रपति श्रीमंत शाहू महाराज, प्रो. वर्षा गायकवाड़, रविंद्र धगेकर, प्रणीति शिंदे, सुप्रिया सुले, डॉ. अमोल कोल्हे, अरविंद सावंत और चंद्रकांत खैरे प्रमुख हैं।

# मराठीचे पांग केव्हा फेडणार?

## संपादकीय



जगात विविध देशांची उदाहरणे आमच्यासमोर होतीच. १९९४ साली फ्रान्समध्ये असा कायदा झाला की, तेथे शिक्षण, रोजगार, जाहिरात, व्यापार, प्रसारमाध्यमे, परिषदा यासंबंधी सर्व व्यवहार फ्रेंच भाषेतून होतिले.

फ्रेंचबद्दल आदर ही त्यांच्या सर्व धोरणांवर प्रभाव टाकणारी गोष्ट आहे, नि हा प्रभाव आजही टिकून आहे. माहिती तंत्रज्ञानाचा विकास झाल्यानंतर तेथील संगणकाची भाषा देखील प्राधान्याने फ्रेंच आहे. त्यांच्या देशातील कुठलाही मेल फ्रेंच व इंग्रजी या दोन भाषांमध्ये पाठवला जातो. 'तुम्ही आमची भाषा शिकलात तर आमच्या देशात जगू शकाल' हा संदेश तिथे सहज दिला जातो. रशियाबद्दल मी असे ऐकले होते की, तिथे एखाद्या व्यक्तीला नोबेल पारितोषिक मिळाले की त्याने लोकभाषेत सर्व समाजाला त्याचे संशोधन समजावून सांगावे अशी पद्धत होती. जिथे जिथे स्वभाषेचा सन्मान ठेवला जातो तिथे ती जोमाने वाढते हे स्वाभाविक आहे. आम्ही आमच्या राज्यात १९६० नंतर काय केले? आम्हाला मा. यशवंतराव चव्हाण यांच्यासारखे द्रष्टे मुख्यमंत्री लाभले. त्यांनी 'सद्वादीचे वारे' त्यांच्या मराठीभिमुख निर्णयांनी आमच्यात भिनवले. मराठीच्या विकासाची वाट घालून दिली. तिच्या प्रगतीसाठी यंत्रणा उभी केली.

त्यांनी मराठीसाठी पाहिलेली स्वप्ने त्यांच्यानंतरच्या राज्यकर्त्यांना त्यांची वाटली असती, तर मराठीचे चित्र आज वेगळे असते. न्याय,

शालेय शिक्षण, उच्च शिक्षण, माहिती तंत्रज्ञान, विज्ञान अशा विविध क्षेत्रांमध्ये आज मराठी तिच्या हक्काकरिता वाट पाहते आहे. कारण आम्ही तिचा गौरव करत राहिलो, पण तिच्या विकासाचे कितीतरी दरवाजे आम्ही उघडलेच नाहीत. आमची संस्कृती सर्वसमावेशक आहे, पण तिचा सन्मान आमच्या राज्यातील प्रत्येकाने ठेवावा असा आग्रह आम्ही कधी धरलाच नाही. आमची भाषा ही राज्याच्या सर्व धोरणांच्या केंद्रस्थानी हवी हा अट्टहास नाही, तर तेच उचित आहे असे आमच्या समाजाला वाटले नाही.

हे सर्व आज बोलावसं वाटलं कारण राज्याच्या शैक्षणिक आराखड्यावर व त्यातील मराठीच्या मुद्द्यांवर चर्चा, वाद सुरू आहेत. ते होणे आवश्यक आहे. कारण राज्याच्या शैक्षणिक आराखडा घिसाडघाईने स्वीकारणे व अमलात आणणे दोन्ही योग्य नाहीच, मराठीचे स्थान शालेय व उच्च शिक्षणात अबाधित राहावे. सर्व प्रकारच्या व सर्व विद्या शाखांच्या अभ्यासक्रमात मराठीचा अपरिहार्यपणे समावेश असावा नि हे सर्व महाराष्ट्र राज्याच्या भाषा धोरणाशी सुसंगत असावे, असे आजही जर म्हटले नाही तर राजभाषा मराठीचे पांग फेडायची संधी आजही

### आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भाषावार प्रांतरचना आपल्या देशाने स्वीकारली पण त्या त्या राज्यात तिथली राजभाषा किती प्रस्थापित झाली हा प्रश्नच आहे. त्या त्या राज्याचा कारभार तेथील लोकांच्या भाषेत चालावा, त्यातून लोकांचे राजकीय भान अधिक सजग व्हावे. एकसमान भाषा ही लोकव्यवहाराची देखील भाषा झाली की, भावनिकदृष्ट्या तिथले तिथले लोक एकमेकांशी अधिक जोडले जातील, अशी अपेक्षा भाषावार प्रांतरचनेमागे होती. १९२८ साली पं. मोतीलाल नेहरू यांच्या अध्यक्षतेखाली स्वराज्याची घटना तयार करण्याकरिता नियुक्त केलेल्या समितीने सादर केलेल्या अहवालात असा दृष्टिकोन मांडला होता की, परकीय भाषेतून जिथे शासनव्यवहार होतात तिथे लोकशाही नांदू शकत नाही, शिक्षण, शासनव्यवहार व अन्य क्षेत्र- तील व्यवहार जर त्या त्या प्रांताच्या भाषेत झाला तर तिथला विकास सुकर व स्वाभाविक होईल. खरे तर भारतीय भाषा समृद्ध व सक्षम आहेत आणि त्या ज्ञानव्यवहार पेलण्याची क्षमता विकसित करतील, असा विश्वास आपल्या देशातील समाजधुरिणांना होता.

## रस्त्याच्या कडा बरोबर न भरल्यामुळे वाही ते निष्ठी मार्ग ठरतो अपघातस्थळ

### आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

**पवनी** : पवनी ते निलज महामार्ग तयार झाला असला तरी वाही कॉलोनी ते निष्ठी हा मार्ग राखीव जंगलातून असल्यामुळे त्याचे रुंदीकरण झाले नाही. सदर मार्ग डांबरीकरणाचा असून त्याचे दोन्ही बाजूचे स्लोपिंग काही ठिकाणी खूप खोल असल्यामुळे विरुद्ध दिशेने येणारी दोन वाहनेही बरोबर जात नाही. तिथून वेग कमी करावा लागतो परंतु प्रत्येकाला घाई जास्त असल्यामुळे वेग कमी करीत नाही. यामुळे सदर ३ किलोमीटर परिसरातच दुचाकी व चारचाकी यांचे अनेक अपघात झाले आहेत.



याला सिमेंट रोड रुंदीकरणची परवानगी न मिळाल्यामुळे तो अरुंदच आहे. सदर रस्त्यावर मोटेमोटे खड्डे पडून मागील दोन वर्षांपासून त्या रस्त्याची अवस्था फारच बिकट होती. यावर्षी सदर रस्त्यावर डांबरीकरण झाले. परंतु त्या रस्त्याच्या दोन्ही बाजूच्या स्लोपिंग काही भागात दीड ते दोन फूट खोल आहेत.

कंत्राटदारांने मे महिन्यामध्ये रस्त्याच्या दोन्ही बाजूला भरपूर

मुर्माचे ढिगारे टाकले. परंतु मुरुम पसरविताना फक्त वरवर पसरविला व बाकी ढिगारे तसेच पडून आहेत. यामुळे एखादा जोराचा पाऊस आला की, स्लोपिंगवर टाकलेला मुरुम जमिनीतच गडप होईल व पुन्हा रस्त्याच्या 'तो' भाग अपघाताचे प्रवणस्थळ ठरेल. कंत्राट दाराने स्लोपिंग वर मुरुम टाकून त्यावर रोलर चालवावा अशी प्रवासी जनतेची मागणी आहे.

## गडर पाईप लाईन खोदकामामुळे होणारा त्रास दूर करा

### व्यापारी असोसिएशन पवनीचे निवेदन

### आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

**पवनी** : शहरातील सर्व वॉडॉट आणि प्रभागात गडर पाईप लाईन टाकणेसाठी खोदकाम सुरू आहे. या खोदकामामुळे पवनी शहरातील व्यापाऱ्यांना आणि जनतेला तसेच पवनी शहरात येणाऱ्या पर्यटकांना प्रचंड मनःस्ताप अनेक महिन्यांपासून सहन करावा लागत आहे. हा होणारा त्रास तात्काळ दूर करा अशा आशयाचे निवेदन व्यापारी असोसिएशन पवनी द्वारा मुख्याधिकारी नगर परिषद पवनी यांना देण्यात आले.

सदर निवेदनात म्हटले आहे की, पवनी शहरात एकच मुख्य स्मशानभूमी वैजेश्वर मोक्षधाम येथे असून नेताजी चौकत वैजेश्वर मोक्षधामकडे जाणाऱ्या मुख्य रस्त्यावर गडर पाईप लाईनसाठी खूप मोठा खड्डा खोदलेला आहे. त्यामुळे या रस्त्यावरून अंत्ययात्रा नेणे अवघड असल्यामुळे गल्ली बोळवून अंत्ययात्रा न्यावी लागते. त्यामुळे सोबत असलेल्या वाहनांना ये-जा करताना खूप त्रास सहन



करावा लागतो, तर रवैजेश्वर है मोक्षधाम येथे येणाऱ्या भाविकांना गल्ली बोळवून रास्ते माहिती नसल्यामुळे नाहक त्रास सहन करावा लागत आहे.

पवनी शहरातील चंडिका माता रोड, शनिवारी वार्ड येथील मुख्य रस्त्यावर येथे सुद्धा खूप मोठा गडर लाईनचा खड्डा पाईप लाईनसाठी खोदलेला आहे. या रस्त्याने पवनी तालुक्यातील कोदूर्ली, रेवनी, धानोरी, भोजापुर, गुडेगाव, खातखेडा, सावरला गावे तसेच चंद्रपूर जिल्ह्यातील

ब्रम्हपुरी यातालुका स्थळाना जोडली जातात. या रस्त्याला दुसरा पर्यायी मार्ग उपलब्ध नसल्यामुळे सर्व बैलगाडी, चारचाकी, ट्रॅक्टर, ट्रक आदी वाहनांना परत जावून ५ कि. मी. फेऱ्याने पवनी शहरात यावे लागते किंवा जावे लागते. त्यामुळे सर्व जनतेला खूप मोठा मनःस्ताप सहन करावा लागत आहे.

पवनी शहरातील अनेक वॉडॉट तसेच प्रभागात गडर पाईप लाईनची कामे अनेक महिन्यांपासून झालेली

आहे. परंतु अजूनपर्यंत त्यांचे सिमेंट कॉन्क्रीटकरण झालेले नाहीत. त्यामुळे पवनी शहरात गडर लाईनची पाईप लाईन टाकलेल्या नालीसदृश्य भागात माती टाकण्यात आलेली आहे. तसेच मुख्य रस्त्यावरील खड्डे त्वरित बुजविण्यात यावे. अन्यथा व्यापारी असोसिएशन पवनी द्वारा या संबंधाने तीव्र आंदोलन करण्यात येईल. यामुळे कायदा व सुव्यवस्था प्रश्न निर्माण झाल्यावर प्रशासन स्वतः जबाबदार राहील. असे निवेदन प्रशासन अधिकारी, नगर परिषद पवनी यांचे मार्फत मुख्याधिकारी नगर परिषद पवनी यांना देण्यात आले. निवेदन देतेवेळी व्यापारी असोसिएशन पवनीचे अध्यक्ष देवराज बावनकर, उपाध्यक्ष दत्त मुनरतीवार, सचिव महादेव शिवरकर, सहसचिव पंकज सावरबांधे, मार्गदर्शक राजुभाई ठक्कर, लिलालाधर मुंडले, मनोहर ढोंगरे, संचालक अभिषेक गोमासे, प्रवीण इनकने, विवेक चांभोशीकर, राजू जिभकाटे, राजू भुरे, विजय ब्राम्हणकर, गिरीश मुंडले, जगदीश बावनकर आदी व्यापारी उपस्थित होते.

## प्रबोधिनी सहकारी पतसंस्थेचा रौप्य महोत्सव

### आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

**साकोली/सेंदुरवाफा**: येथील प्रबोधिनी मागासवर्गीय ग्रामीण बिगरशेती सहकारी पतसंस्थेला २५ वर्षे पूर्ण झाल्यामुळे रौप्य महोत्सव कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात आले. त्यात संचालक मंडळ, कर्मचारी आणि अभिकर्ता मोहनलाल सातभावे यांचा पुष्पगुच्छ देऊन सत्कार करण्यात आला.



यावेळी पदाधिकाऱ्यांसह लेखापरीक्षक लंजे, भागभांडवल धारक, संस्थेचे कर्मचारी व सभासद प्रामुख्याने उपस्थित होते. 'विना सहकार नाही उद्धार' या मुलमंत्राचा आधार घेतल्याशिवाय सामाजिक प्रगती अशक्य आहे. ही बाब तत्कालीन समाजधुरिणांनी

आओखल्यामुळे सहकारी संस्था यापन करण्याचा मार्ग मोकळा झाला. स्मृतिपेश नामदेव गजभिये यांचे पुढाकाराने २९ मे १९९९ रोजी प्रबोधिनी मागासवर्गीय ग्रामीण बिगरशेती सहकारी पतसंस्था साकोली येथे स्थापन करण्यात आली. २५ वर्षे पूर्ण झाल्याने नुकतेच रौप्य महोत्सव कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात आले. यावेळी

सुरुवात संस्थापक स्मृतिपेश नामदेव गजभिये यांच्या प्रतिमेस माल्यार्पणाने करण्यात आली. संस्थेचा लेखाजोखा लिपिक सुनीता राऊत यांनी याप्रसंगी कार्यक्रमाचे संचालन उपाध्यक्ष दादू बडोले यांनी तर आभार संचालक चंद्रकांत वडीचार यांनी मानले. कार्यक्रमाचे यशस्वितेसाठी उमराव साखरे, शत्रूगण बोरकर, सुनील इरले, भास्कर गहाने, प्रकाश राऊत, सरिता बडवाईक, अपर्णा राऊत, मोहनलाल सातभावे, प्रसन्नजित बडोले, कुंदन खोटेले यांनी अथक परिश्रम घेतले. रौप्य महोत्सवी कार्यक्रमास संचालक मंडळ, ठेवोदार, सभासद, कर्मचारी वर्गव गावातील गणमान्य नागरिक प्रामुख्याने उपस्थित होते.

## मोहघाट जंगलात महामार्गावर भिषण अपघात

### एकाचा होरपळून मृत्यू तर दुसरा गंभीर जखमी : तीन तास महामार्गावरील वाहतूक विस्कळीत

### आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

**साकोली** : तालुक्यातील मोहघाट जंगलशिवात महामार्गावर दि. ३ जून रोजी सायंकाळी ४ वाजता दरम्यान दोन ट्रक एकमेकांवर आदळले. या भीषण अपघातात एका ट्रकला लागलेल्या आगीत चालकाचा होरपळून जागीच मृत्यू झाला. तर दुसऱ्या ट्रकचा चालक गंभीर जखमी असून उपचारार्थ शासकीय रुग्णालय भंडारा येथे दाखल करण्यात आले. अपघातामुळे महामार्गावरील वाहतूक तीन तास विस्कळीत झाली होती. ब्रिजलाल यादव रा. इलाहाबाद (उ.प्र.) असे मृतकाचे तर मनोहर नारायण गायकवाड (३९) रा. मालेगाव (नाशिक) असे जखमीचे नाव आहे.



ट्रक क्र एम एच ४० सी एम ७६९७ हा नागपूरकडे जात असताना विरुद्ध दिशेने रायपूरकडे कांदा भरून येणारा ट्रक क्र एम एच १८ एए६९९३ या दोन ट्रक मध्ये मोहघाट जंगलशिवात आमोरासामोर भीषण अपघात झाला. धडक होताच एम एच ४० सीएम

जिल्हा सामान्य रुग्णालय भंडारा येथे पाठविण्यात आले. घटनास्थळी साकोली नगरपरिषदेची अग्निशमक दलाला बोलविण्यात आले. त्यांनी अथक परिश्रमाने आग आटोक्यात आणली. यावेळी तीन तास महामार्गावरील वाहतूक ठप्प पडली होती. क्रैनच्या मदतीने अपघात ग्रस्त ट्रक बाजूला वाहतूक सुळीत करण्यात आले. पुढील तपास साकोली पोलीस करीत आहेत.

## गडेगाव येथील अतिक्रमण केव्हा काढणार? राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण व ग्रामपंचायतीच्या कारवाईकडे लक्ष

### आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

**लाखनी** : तालुक्यातील महत्वाचे ठिकाण असलेल्या आय. एस. ओ. प्रमाणित ग्रामपंचायत गडेगाव अधिकार क्षेत्रात राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक ५३ (जु. ६) लागत गट क्रमांक ५३ मध्ये वॉटरपार्क व इतर इमारत बांधकाम करीत असताना राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण व ग्रामपंचायतीच्या नावाने असलेल्या इतर जागेत अतिक्रमण व काही व्यक्तींनी अवैधरित्या माती उत्खनन केल्याने दि. ८ एप्रिल २०२४ रोजी ग्रामपंचायततेर्फे ग्रामपंचायत सरपंच वर्षा रेहपाडे, उपसरपंच प्रमोद कुथे, तलाठी ज्ञानेश्वरी राठोड, ग्रामपंचायत सदस्या बनिता हलमांरे, भारती नदेश्वर, दुर्गा कोडापे, माजी सरपंच अनिल हारोडे, माजी उपसरपंच महेद्रकुमार कच्छवाय, अन्य ग्रामपंचायत सदस्य व कर्मचारी यांनी मोक्याचा कौकशी करून पंचनामा जिल्हाधिकारी भंडारा व महसूल विभागीय अधिकारी यांना देऊन अवैध माती उत्खनन व शासकीय जागेवर अतिक्रमण केल्याप्रकरणी कठोर कारवाही करून अतिक्रमण काढण्याची मागणी केली आहे. विभागीय अधिकारी हे अतिक्रमण केव्हा काढणार, असा



प्रश्न जनतेपुढे भेडसावत आहे. मागील अनेक दिवसांपूर्वी राष्ट्रीय महामार्गांलागत गडेगाव ग्रामपंचायत अधिकार क्षेत्रातील शेतजमिनीचे बसेशंकर यांनी सन २०१२-१३ मध्ये एन. ए. (अकृषक) करून लेआउट पाडलेल्या गट क्रमांक-५३ व ५३/२/२ मध्ये लेआउट प्रमाणे सार्वजनिक

रस्त्याकरिता जागा सोडून वाटर पार्क किंवा इतर इमारत बांधकाम करणे आवश्यक होते. मात्र अतिक्रमण धारक सुखदेव मस्के गडेगाव यांनी मनमर्जी व जबरानजोत आणि मुजोरीने राष्ट्रीय महामार्गांलागत शासकीय जागा गट क्रमांक ५३/१ तसेच लेआउटच्या सार्वजनिक रस्त्यावर आणि ग्रामपंचायतच्या नावाने असलेल्या गट

क्रमांक ५३/२/१ जागेत ३२ बाय ३२ स्क्वेअर फुटचे सिमेंट कॉन्क्रेट पाणी टाका व गट क्रमांक ५८/१ मध्ये ३८ बाय ३८ स्क्वेअर फुटचे दुसरे सिमेंट कॉन्क्रेट पाणी टाका व अन्य शासकीय जागेत बांधकाम करण्याकरिता कॉलमचे खड्डे खोदून अवैधरीत्या अतिक्रमण केले आहे. तसेच वॉटर पार्क परिसरात भरणाकरिता मामा तलाव येथील सरकारी जागेतील गट क्रमांक ४१ मधील अवैधरित्या माती उत्खनन केले आहे. **अवैधरित्या केलेले अतिक्रमणाकडे भिडल्या नजरा** तसेच गोंडी तलाव गट क्रमांक ५९ येथील वैद्य माती उत्खनन सागर निखाडे लाखनी यांनी केले असल्याचे आढळून आले असल्याचा पंचनामा ग्रामपंचायतमार्फत जिल्हाधिकारी भंडारा व महसूल विभागीय अधिकाऱ्यांना दि. ८ एप्रिल २०२४ ला देऊन दोषीवर कठोर कारवाई करून अवैधरित्या केलेले अतिक्रमण काढण्याची मागणी केली आहे. राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण, महसूल विभागीय अधिकारी व जिल्हा प्रशासनाच्या कारवाईकडे तालुक्यातील नागरिकांच्या नजरा भिडल्या आहेत, हे विशेष.

## सव्वा एकरातील उन्हाळी धानाची रानडुकरांनी केली नासाडी

### कुर्झा परिसरात वाढला रानडुकरांचा उपद्रव

### आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

**कोसरा-कोंढा** : पवनी तालुक्यांतर्गत येणाऱ्या कुर्झा परिसरात रानडुकरांचा उपद्रव मोठ्या प्रमाणात वाढला असून उन्हाळी हंगामात हातातोंडाशी आलेल्या धानाची रानडुकरांनी नासाडी केल्यामुळे सदर शेतकऱ्यांचे मोठे नुकसान झाल्याचे सांगण्यात येत आहे. पवनी तालुक्यांतर्गत येणाऱ्या कुर्झा परिसरात शेतकऱ्यांनी उन्हाळी हंगामात धानाची लागवड केली. रोवणीपासून तर पीक परिपक्व होण्यापर्यंत शेतकऱ्यांनी अवाढव्य खर्च केला. रोगराईपासून पीक वाचविले. रासायनिक खताचा डोज दिला व आता परिपक्व होत असलेल्या उन्हाळी हंगामाच्या शेतात वन्यप्राण्यांचा उपद्रव वाढलेला आहे. वन्यप्राण्यांमुळे

शेतकऱ्यांचे मोठे नुकसान होत आहे. कुर्झा परिसरात यावर्षी उन्हाळी हंगामात शेतकरी मानिकराव रघुते यांनी तीन एकरात धानाची लागवड केली. पिकाला सिंचनाचे पाणी दिले. वन्यप्राण्यांपासून पिकाचे रक्षण व्हावे म्हणून जागल सुरू केली. परंतु ऐन कापणीच्या हंगामातच कुर्झा परिसरात रानडुकरांचा उपद्रव सुरू झाला व बघता- बघता सदर शेतकऱ्यांच्या सव्वा एकरातील उन्हाळी हंगामातील धानाचे मोठे नुकसान झाले. आता रानडुकरांचे कळप शेतकऱ्यांची नजर चुकवून शेतात शिरून धानाची नासाडी करतात. त्यामुळे शेतकऱ्यांचे मोठे नुकसान होत आहे. सदर शेतकऱ्यांना नुकसानभरपाई देण्यात यावी, अशी मागणी परिसरातील नागरिक व शेतकऱ्यांकडून केली जात आहे.

# वीजग्राहकांनी मागणी केली नसतांना स्मार्ट मीटर लादणे अमान्य

## अघोषित शक्ती करून हक्काचे व कायदेशीर तरतुदीचे उल्लंघन

**आवाज भंडारा / प्रतिनिधी**

**लाखनी** : महावितरण कंपनीने राज्यातील सर्व वीज ग्राहकांना स्मार्ट प्रीपेड मीटर लावणार असे जाहीर केले आहे तसेच हे मीटर कंपनीच्या खर्चाने मोफत लावणार अशी फसवी व चुकीची जाहिरात केली आहे. या संबंधातील टेंडर्स मंजूर करण्यात आलेली आहेत व लवकरच सर्वत्र मीटर लावण्याची मोहीम सुरू होईल असे स्पष्ट दिसून येत आहे. वास्तविक हे मीटर मोफत लावले जाणार नाहीत केंद्र सरकारचे अनुदान वगळता या मीटरचा उर्वरित सर्व खर्च वीजदरनिश्चिती याचीकेंद्रे अयोग्याकडे मागणी केला जाईल आणि अयोग्याच्या आदेशानुसार वीज दरवाढीच्या रूपाने १ एप्रिल २०२५ पासून ग्राहकांच्या खिशातूनच वसूल केला जाईल हे निश्चित व स्पष्ट आहे. त्यामुळे केवळ महावितरण कंपनी व येणाऱ्या खाजगी वितरण कंपनीचा व सरकार यांच्या हितासाठी आणि खाजगीकरणणाच्या वाटचालीतील पुढचा टप्पा म्हणूनचही योजना आणलेली आहे असे स्पष्ट दिसून येत आहे. त्यामुळे आम्ही या स्मार्ट प्रीपेड मीटरसंबंधी विरोध करीत आहोत.

माहितीसाठी आमच्या अंतिम बिलाची प्रत सोबत जोडली आहे. कृपया आमच्या संबंधित मागण्यांची



नोंद घ्यावी आणि याबाबत पुढील कार्यवाही तातडीने करावी ही विनंती सक्तीने असे मीटर लावण्याचा प्रयत्न केल्यास आम्ही अशा सक्तीच्या जोडणीला प्रखर विरोध व आंदोलन करू याची कृपया नोंद घ्यावी अशा प्रकारे प्रत्येक वीज ग्राहकांनी कार्यकारी अभियंता, डिव्हिजन, महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित, यांसी, विषय-स्मार्ट प्रीपेड मीटरला

संपूर्ण नकार व सध्याचे पोस्टपेड मीटर व जोडणे आहे तसेच चालू ठेवणेबाबत अशा स्वरूपाचा तातडीने अर्ज करावा असे महाराष्ट्र वीज ग्राहक संघटनेतर्फे जनहितार्थ आवाहन करण्यात येत आहे.

वीज कायदा, २००३ मधील अधिनियम क्रमांक ४७ (५) अन्वये कोणता मीटर वापरायचा याचे स्वातंत्र्य व मीटरची निवड करण्याचे सर्व कायदेशीर

हक्क संबंधित ग्राहकांना आहेत. कंपनी अघोषित सक्ती करून ग्राहकांच्या या हक्काचे व कायदेशीर तरतुदीचे संपूर्ण उल्लंघन करीत आहे हे आम्हाला मान्य नाही त्यामुळे ग्राहक म्हणून आमच्या हक्कानुसार आमचा सध्याचा आहे. तोच पोस्टपेड मीटर पुढेही कायम ठेवण्यात यावा अशी मागणी आम्ही करीत आहोत.

**महावितरण कंपनीने मंजूर**

केलेल्या टेंडर्सनुसार मीटरचा खर्च १२ हजार रुपये प्रति मीटर याप्रमाणे आहे. प्रीपेड मीटर साठी केंद्र सरकारचे प्रति मीटर ९००/-रुपये अनुदान वगळता प्रत्येक ग्राहकामागे कमीत कमी ११ हजार १०० रुपये प्रति मीटर खर्च करून काढून केला जाणार आहे. या कर्जास आमची मान्यता नाही व आम्ही हा मीटर घेणार नाही. त्यामुळे हा खर्च आमच्यावर लादता येणार नाही. या खर्चामुळे या कर्जावरील व्याज, घसारा व संबंधित खर्च इत्यादी कारणासाठी वीज दरामध्ये वाढ होणार आहे ही वाढ अंदाजे किमान ३० पैसे प्रति युनिट व अधिक होईल आम्ही हा मीटर वापरणार नसल्यामुळे या वाढीवर दराचा कोणताही बोजा आमच्यावर लावता येणार नाही याची नोंद घ्यावी.

# अतिसार नियंत्रण पंधरवाडा ६ ते २९ जून

**आवाज भंडारा / प्रतिनिधी**

**भंडारा** : देशात ५ वर्षांपर्यंतच्या बालकांच्या मृत्यूमागे अतिसार हे प्रमुख कारण असून ५ ते ७ टक्के बालके अतिसारामुळे दगावतात उन्हाळ्यात व पावसाळ्यात जास्त असते. अतिसारामुळे होणारे बालमृत्यू शून्य करणे हे उद्दिष्ट समोर ठेऊन राज्यामध्ये दि. ६ जून ते २९ जून या कालावधीमध्ये विशेष अतिसार नियंत्रण पंधरवाडा राबविण्यात येतो.

भंडारा जिल्ह्यात २०२३ मध्ये एकूण २३६३ बालकांना व प्रौढांना अतिसाराची लागण झाली व त्यामध्ये एकही मृत्यूची नोंद नाही. या वर्षी भंडारा जिल्ह्यातील ८४८११ बालकांना आशा कार्यकर्ती मार्फत मोहीम काळात घरोघरी भेट देऊन बालकांची अतिसारासाठी तपासणी करणे व अतिसार झालेला असल्यास जलसंजीवनी बनवण्याचे प्रात्यक्षिक दाखवणे जलसंजीवनी व झिंक टॅबलेटचा पुरवठा करण्याचे उद्दिष्ट आहे.

अतिसार हा जलजन्य

आजारामध्ये मोडतो. विविध प्रकारच्या विषाणू, जिवाणू तसेच परजीवी तसेच यामुळे आजार होतो. जलजन्य आजारामध्ये अनेक प्रकार आहेत जसे कि कॉलरा, गॅस्ट्रो, अतिसार, हगवण यापैकी कॉलरा हा विहिन्नो कॉलरा या विशिष्ट जिवाणूमुळे होतो.

प्रथमतः जुलाब सुरु होतात व त्यानंतर उलट्याही होतात. कॉलरा मध्ये पाण्यासारखे भाताच्या पेजेसारखे जुलाब होतात. याआजारातमध्ये शरीरातील पाणी अत्यंत वेगाने कमी होते. त्यानंतर गॅस्ट्रो हा आजार वेगवेगळ्या प्रकारच्या जिवाणू, विषाणूमुळे होतो. या आजाराने उलट्या व जुलाब एकाच वेळी होतात. अतिसारहा आजार जिवाणू विषाणूमुळे होतो या आजाराने प्रामुख्याने जुलाब होतात. हगवण हा आजार परोपजीवी जंतू आमांश (अमिबा) मुळे होतो. या आजाराने पोटात दुखते व रक्तमिश्रित जुलाब सुरु होतात. या सर्व आजाराचा अधिशयन काळ हा जंतूने शरीरात प्रवेश केल्यानंतर लक्षणे दिसून येऊपर्यंत असा आहे.

# सिंचनाची सोय तरी पेरणीची घाई नको

**आवाज भंडारा / प्रतिनिधी**

**भंडारा** : रोहणी नक्षत्र समाप्त झाल्यावर शुक्रवार दि. ७ जून २०२४ पासून मृग नक्षत्राला प्रारंभ होणार आहे. जिल्ह्यात अवकाळी पाऊस कोसळत असला तरी अजूनही शेत जमीन ओलीचिंब झाली नाही. अती उष्णतेमुळे पाण्याचे बाष्पीभवन होत आहे. सिंचनाच्या विहीरीतील पाणी आटत चालले आहे. हवामान खाल्याने पाऊस कोसळण्याचा फक्त अंदाज व्यक्त केला आहे. परंतु निसर्गाच्या पावसाचा भरोसा काय त्यासाठी सिंचनाची सोय असली तरी खरीप हंगामात शेतकऱ्यांनी पेरणीची घाई करू नये. शिवाय अती उष्णतेमुळे धुळ फेकणीही वाया जाणार असे तज्ज्ञांद्वारे अंदाज व्यक्त करण्यात आला आहे.

निसर्गाच्या मनात काय दडलं आहे याचा अंदाज घेणे आधुनिक युगात अवघड जात आहे. म्हणूनच एकांने म्हटले आहे आले देवाजीच्या मना तिथे कृपाचेही चालेना' हे तेवढेच खरे आहे. मागील दोन चार वर्षांपासून मृग अती उष्णतेच्या कहरात धुळ फेकणी वाया जाणार नक्षत्रात पेरणी योग्य पाऊस कोसळत नाही. त्यामुळे बहुतेक शेतकऱ्यांची खरीप हंगामातील पेरणी वाया जात असते.

कधी कधी शेतकऱ्यांवर दुबार पेरणीची वेळ येऊन ठेपते, दुबार पेरणीचा खर्च शेतकऱ्यांच्या डोक्यावर चढते. आधीच बि-बियाण्यांचे दर गगणाला भिडले आहे.



इंधनाचे दर वाढल्याने शेती मशागतीच्या खर्चात वाढ झाली आहे. पेरणी पासून तर मळणी पर्यंत शेतकऱ्यांना अवाढव्य खर्च करावा लागत आहे. जिल्ह्यात खरीप हंगामात इतर पिकापेक्षा शेतकरी धानाची लागवड करतात. त्यानंतर तूर, सोयाबिन, कापूस या पिकांसह इतर पिकांचेही उत्पादन घेण्यात येते. मृग नक्षत्रात पेरणी केल्या नंतर पिकाचे उत्पादन भरघोस येत असते. असी जुनी म्हन असली तरी आधुनिक युगात निसर्गाच्या बदलत्या चक्रामुळे जुनी म्हण दिशाहीन ठरत आहे. त्यामुळे शेतकऱ्यांनीही पिकाची पेरणी करते वेळी बदल करायला हवा असे तज्ज्ञाकडून सांगितले जात आहे.

# दोन महिन्यांत रोंघा-पिटेसूर रस्त्यावर खडे ... !

## रस्त्याची तक्रार थेट मंत्रालयात

**आवाज भंडारा / प्रतिनिधी**

**तुमसर** : प्रधानमंत्री ग्रामसडक योजनेअंतर्गत रोंघा - लोहारा-पिटेसूर दरम्यान ३.७७० या रस्त्या दरम्यान डांबरी पृष्ठभागावर खडे पडले. दोन महिन्यात या रस्त्यावर खडे पडल्याने या रस्त्याच्या गुणवत्तेवर प्रश्नचिन्ह निर्माण झाले होते. याबाबत प्रधानमंत्री ग्रामसडक योजनेकडे तक्रार करण्यात आली होती त्या अनुषंगाने तपासणी व चौकशी करण्यात आली त्यात डांबरी पृष्ठभागावर स्क्रिडिंग होऊन दोन सेंटीमीटर कार्पेट क्षतीग्रस्त झाल्याचे अहवालात नमूद करण्यात आले आहे. तसेच या रस्त्याची क्षमता दहा टन वाहतुकीची असून या रस्त्यावरून ४० ते ५० टन वजनाचे टिप्पर थावतात त्यामुळे हा रस्ता क्षतीग्रस्त झाल्याचे नमूद करण्यात आले आहे. परंतु त्यानंतर सार्वजनिक बांधकाम विभागाचे सचिव व कक्ष अधिकाऱ्यांकडे पुन्हा चौकशीची मागणी करण्यात आली आहे.

रोघा - पिटेसूर - लोहारा सोरना लंजेरा



या रस्त्याची एकूण लांबी ८.५९० किलोमीटर इतकी आहे. पिटेसूर-रोघा यादरम्यान ३.७७६ किमी रस्त्यावर ११/१०० ते १२/१०० लांबी रस्त्याची दुरावस्था झाली होती. अवघ्या दोन महिन्यात हा रस्ता उखडला होता. या संपूर्ण रस्त्यावर ३.३९ कोटी रुपये खर्च करण्यात आले. आदिवासी बहुल गावांना जोडणारा हा अत्यंत महत्त्वपूर्ण रस्ता आहे.

सडक योजना भंडारा यांनी या रस्त्याची तक्रार झाल्यानंतर चौकशी समिती नियुक्ती केली त्या चौकशी समितीने या रस्त्याची १० टन क्षमता भार सहन करण्याची आहे. परंतु या रस्त्यावरून ३० ते ४० टन वजनाचे टिप्पर दरोज धावतात हा रस्ता वळण वागांच्या आहे दरम्यान हा रस्ता उखडला. डांबरी पृष्ठभागावर स्कीडिंग होऊन दोन सेंटीमीटर चे कार्पेट क्षतीग्रस्त झाले. असे नमूद केले

असून हा रस्ता संबंधित कंत्राटदाराने दुरुस्त केला आहे. या रस्त्याची राष्ट्रीय गुणवत्ता निरीक्षक कडून तपासणी करण्यात आली आहे दोष दायित्व अंतर्गत रस्त्याची दुरुस्ती सुद्धा करण्यात आली आहे.

या रस्त्याने रैतीची जड वाहतूक होते त्यामुळे हा रस्ता क्षतीग्रस्त झाल्याचेही अहवालात नमूद करण्यात आले आहे. चौकशी. अंती सदर रस्त्याचे प्रकरण नस्ती बंद करावे असे अहवालात नमूद करण्यात आले आहे. परंतु त्यानंतर या रस्त्याची तक्रार थेट मंत्रालयात सार्वजनिक बांधकाम विभागाचे सचिव व कक्ष अधिकारी विजयकुमार चौधरी यांच्याकडे करण्यात आली आहे. यात नागपूर येथील पंतप्रधान ग्रामसडक योजनेचे अधीक्षक अभियंत्याकडूनयारस्त्याची पुन्हा चौकशी करण्यात यावी असे पत्रात नमूद करण्यात आली आहे. तसेच संबंधित रस्त्याची चौकशी व तपासणी दरम्यान तक्रार कत्याला संबंधित मोक्या स्थळी पाचारण करण्यात यावे असे नमूद करण्यात आले आहे.

# पुरग्रस्त आपल्या वेदना कोणाकडे मांडणार?

## प्रशासनाकडून जागेचे मालकी पट्टे देण्यास दिरंगाई

**आवाज भंडारा / प्रतिनिधी**

**सिहोरा** : वैनगंगा आणि बावनथडी नदीच्या काठावरील गावांत दरवर्षी येणाऱ्या पुराने कुळातील घरे वाहून आणि भुईसपाट झाली आहेत. अनेकांनी स्थलांतरण केले आहेत. गावांचे शेजारी नव्या वस्त्या निर्माण झालेल्या आहेत. या वस्त्या आता अतिक्रमणाच्या विळख्यात आलेल्या आहेत. नैसर्गिक आपत्तीला जबाबदार नसताना मात्र अतिक्रमण अशी नोंद झाली आहे. जागेचे मालकी पट्टे महसूल प्रशासनाने अद्याप दिले नाहीत. वस्त्या याच प्रशासनाने निर्माण केलेल्या आहेत. बपेरा, सुकळी नकुल, गोंडीटोला आणि देवरी देव ही गावे पुराच्या पाण्याने अनेक झटके सोसलेले गावे आहेत. बपेरा गावात नदीच्या काठावरील अनेक घरांचे पुनर्वसन झाले तरी अनेकांच्या हृदयात वेदना आहेत. तिसऱ्या पिढीचे घर पुराच्या पाण्यात भुईसपाट झाले. कुळातील घर



गेल्याने डोळ्यात अश्रू अनावर झाले. घरे असल्याने अस्तित्वाच्या खुणा शोधताना डोळे पाझरत असल्याचे दिसून येत आहेत. या गावातील अनेक घरे पुराच्या पाण्याने वेढले जात आहे. त्यातला सुकळी नकुल गाव बेटाचे स्वरूप घेत आहे. गावांचे चौफेर पुराचे पाणी राहत आहे.

मार्गावर पुराचे पाणी ४ फुटाची सीमा ओलांडत आहे. अनेक घरे भुईसपाट झाले आहेत. पुराच्या पाण्यात घरे कोसळल्यानंतर शासन स्तरावर आपत्कालीन निधी उपलब्ध करण्यात येत नाही. पुरग्रस्तांचे जखमेवर मीठ चोळल्या जात आहेत. त्यांना यादीची प्रतीक्षा करण्याचे सांगितले हात आहेत. गोंडीटोलात ४ ऑगस्ट २००६ ला वैनगंगा नदीला आलेल्या पुराचे पाणी शिरले होते. पाण्यात घरे कोसळले असल्याचे चित्र अनेकांनी अनुभवले. त्यांचे पुनर्वसन सरकारने गावांचे शेजारी असणाऱ्या झुडपी जंगल जागेत केले. या जागेत चटईचे शेड उभारण्यात आले. चापरा टोली असे संबोधले गेले. याच जागेत नंतर घरकुल योजनेतर्गत घरांचे पक्के बांधकाम केले. नैसर्गिक आपत्तीने दुखावलेल्या या नागरिकांना मालकी पट्टे देण्यात आले नाही. सर्वाधिक नासाडी २०२० च्या पुरात पावसाळ्यात

बिनधास्त असणाऱ्या नदीच्या काळावरील गावात ऑगस्ट महिन्यात चैन सुख समेध हरपून जात आहे. ऑगस्ट महिन्यात एक नव्हे तब्बल दोनदा पुराने तांडव माजविला आहे. त्यातला २९ ऑगस्ट २०२० या कोरोना काळातील पूर अनेकांचे स्वप्न धुळीस मिळविणारा ठरला आहे.

**स्थानिक प्रशासनाने गावकऱ्यांच्या**
**जीवनाचा विचार केला का ?**

गावाच्या सुरक्षेकडे लक्ष देण्याची मागणी घरे, शेतीचे प्रचंड नुकसान याच कालावधीत झाले आहेत. काठाचे सौंदर्यकरण व भिंत करा वैनगंगा आणि बावनथडी नद्याचे काठाचे सौंदर्यकरण आणि भागात संरक्षण भिंत बांधकाम केल्यास गावांच्या दिशेने प्रवाहाला संथ गती मिळणार आहे. पुराच्या पाण्याचा फटका बसणार नाही. या दिशेने डॅमप्रोजेक्ट मंजूर करण्याची मागणी होत आहे.

# ६३ प्रकल्पांतील उपयुक्त जलसाठ्यात घट

**आवाज भंडारा / प्रतिनिधी**

**भंडारा** : नवतपाला प्रारंभ झाल्यापासून जिल्ह्याच्या तापमानात दोन अंशांची भर पडली आहे. सध्याचे तापमान ४२ अंशांवर असून पारा ४७ अंशांपर्यंत पोहोचण्याचा अंदाज वर्तविला जात आहे. परिणामी, जिल्ह्यातील ६३ (मध्यम, लघु व जुने मालगुजारी तलाव) प्रकल्पातील उपयुक्त जलसाठ्यात कमालीची घट झाली आहे. सध्या या प्रकल्पातील उपयुक्त जलसाठा ३४.९३ दलघमी असून टक्केवारी २८.६८४ इतकी आहे. मान्सून वेळेत न बरसल्याने जिल्ह्यात जलसंकट आणखी गडद होण्याची शक्यता आहे. जिल्हा तलावांचा, जिल्हा

महणून ओळखला जातो. जंगल टेकड्यांच्या पायथ्याशी लहान-मोठे तलाव व बोड्याची संख्या अधिक आहे. जिल्ह्यात राज्य पाटबंधारे विभागाच्या अखत्यरित ४ मध्यम प्रकल्प, ३५ लघु प्रकल्प, तर २८ जुने मालगुजारी तलाव आहेत. शेती सिंचनासाठी येथील तलावांचा मोठा उपयोग होतो.

तलावांमुळे जिल्ह्यातून धान उत्पादक शेतकरी समृद्ध झाला आहे; परंतु जिल्ह्यातील अनेक तलावांची स्थिती दयनीय आहे. तलावांत अतिक्रमणे वाढली असून वघानुवर्षापासून गाळाचा उपसा झालेला नाही. तलाव उथळ असल्याने सिंचन क्षमता कमालीने रोडावली आहे.

# एक लाख ८९ हजार हेक्टर क्षेत्रात होणार खरीप धान लागवड

## रब्बीचा धान गोदामात पडूनच : भरडाईसाठी प्रतीक्षा कायम

**आवाज भंडारा / प्रतिनिधी**

**भंडारा** : यावर्षीच्या खरीप हंगामात १ लाख ९६ हजार हेक्टरवर धान, तूर, ऊस, सोयाबीन या खरीप पिकांच्या लागवडीचे कृषी विभागाचे उद्दिष्ट आहे. यात सर्वाधिक १ लाख ८९ हजार हेक्टर क्षेत्रात धान पीक घेतले जाणार आहे. भंडारा जिल्हा धान पिकाच्या दृष्टीने सोयीस्कर असल्यामुळे येथे धानाचे पीक मोठ्या प्रमाणावर घेतले जाते. त्यासाठी कृषी विभाग सज्ज झाला असून खते, बियाण्यांचा साठा उपलब्ध करून देण्यासाठी नियोजन केले आहे. याशिवाय धानपिकांना लागणारा युरिया आणि डीएपीची टंचाई जाणवणार नाही, याकडे लक्ष देऊन आहे. यावर्षी पारंपरिक धान पिकांसोबत तूर आणि उसाचा पेरा वाढणार असून उत्पादनवाढीसाठी



प्रशासन प्रयत्नशील आहे. कौटुंबिक हिस्सेदारी वाढल्याने प्रती कुटुंब जमिनीचे क्षेत्र कमी पडत आहे. त्यामुळे आजपर्यंत पडीक जमिनीत पीक घेण्याचा प्रयत्न केला जात आहे. परिणामी, दरवर्षी पीक लागवडीखालील क्षेत्र वाढत आहे. मागीलवर्षी १ लाख ८५ हजार हेक्टर क्षेत्रावर खरीप पिकांची लागवड करण्यात आली होती. यावर्षी १ लाख ९६ हजार हेक्टरवर पिकांची लागवड होईल असा कृषी विभागाचा अंदाज आहे.

# संगणक परिचालकांचा मानधनाचा तिढा सुटेना.. !

## ४ महिन्यांचे मानधन रखडले

**आवाज भंडारा / प्रतिनिधी**

**लाखनी** : डिजिटल महाराष्ट्र घडविण्याचे ध्येय उराशी बाळगून तुटपुंज्या मानधनात काम करणाऱ्या संगणक परिचालकास नोव्हेंबर, डिसेंबर २०२३ आणि एप्रिल, मे २०२४ ह्या ४ महिन्यांचे मानधन दिले गेले नसल्यामुळे उपासमारीची वेळ आली आहे. उपाशी पोटी काम कसे करावे? असा प्रश्न आवासून उभा असून आर्थिक अडचणीमुळे कुटुंबात कलह निर्माण झाले असून आवश्यक वस्तू उधारीवर मिळेनाशा झाल्या असल्यामुळे प्रपंचाचा गाडा हाकणे अशक्य वाव झाली असल्याने संगणक परिचालकांचा मानधनाचा तिढा सुटता सुटेना असे चित्र दिसत आहे. महाराष्ट्र शासनाच्या वित्त आयोग प्रकल्पा अंतर्गत मागील १० ते १२ वर्षांपासून ग्राम पातळीवरील स्थानिक स्वराज्य संस्था स्तरावर संगणक परिचालक प्रामाणिकपणे आपली सेवा देत असून जन्म-मृत्यू- विवाह, नमुना ८, क्रियासॉफ्ट, १ ते ३३ नमुने, विविध शासकीय योजना व इतर कार्यालयीन सेवा,



गावकऱ्यांना विविध प्रकारचे आवश्यक ते प्रमाणपत्र एकाच छताखाली संगणक परिचालकांचे माध्यमातून देण्यात येतात. हा प्रकल्प संगणकीय ग्रामीण महाराष्ट्र (संग्राम) म्हणून कार्यरत होता. त्यानंतर महाराष्ट्र शासनाने सी.एस.सी. या खासगी कंपनीमार्फत 'आपले सरकार सेवा केंद्र' चालविले जात होते. आर्थिक वर्ष २०२४-२५ पासून पुन्हा कंपनी बदलविण्यात आल्याचे विश्वसनीय

वृत्त आहे. ग्रामपंचायत स्तरावर १५ व्या वित्त आयोगामार्फत १२ हजार रुपये प्रति महिना याप्रमाणे वार्षिक एकत्रित मानधन जिल्हा परिषदेला आरटीजीएस व्दारे ग्रामपंचायती अदा केले जाते. मात्र संपाणक परीचालकास ६ हजार ९०० रुपये मानधन देऊन संगणक परीचालकाचे आर्थिक शोषण केले जाते. पण मानधन

वेळेवर आणि दरमहा कधीच मिळत नाही. त्यामुळे संगणक परीचालकाला आर्थिक विवंचनेत राहावे लागते. या बाबीस कंटाळून काही संगणक परिचालकाकडून आत्महत्याही केल्या असल्याचे समजते. संगणक परिचालक बुटपुंज्या मानधनावर आपली सेवा देत असला नाही. या विरोधात संगणक परिचालकांनी नोव्हेंबर, डिसेंबर २०२३ मध्ये आंदोलन केले होते. याचाच परिणाम म्हणून की काय ह्याच महिन्यांचे मानधन अदा केले नाही तर आर्थिक वर्ष २०२४-२५ पासून दुसऱ्या कंपनीला कंत्राट देण्यात आल्याचे विश्वसनीय वृत्त असून ह्या नव्या कंपनीनेही एप्रिल, मे २०२४ चे मानधन अदा केले नाही. कंपनी बदलल्यामुळे नोव्हेंबर, डिसेंबर २०२३ चे मानधन मिळेल का? असा संगणक परिचालकांत संभ्रम निर्माण झाला आहे. संगणक परिचालकाच्या कुटुंबाचा विचार करून दर महिन्याला मानधन देण्यात यावे. तसेच थकीत असलेले ४ महिन्यांचे मानधन तत्काळ देणे आवश्यक झाले आहे.

# हत्या के मामले में आरोपी को 7 वर्ष की कड़ी सजा अन्य आरोपियों को 2 साल के बांड पर रिहा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : पुराने मकान के विवाद को लेकर व्यक्ति को लात-घुंसे व डंडे से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था. उक्त व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई. इस हत्या में शामिल मुख्य आरोपी को 7 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई और अन्य पांच आरोपियों को दो साल के बांड पर रिहा कर दिया गया.

यह सजा अपर एवं जिला सत्र न्यायाधीश पी.एस. खुने ने सुनाई. मृतक दिनेश ईस्तारी बांते (40) और मते परिवार के बीच पुराने मकान को लेकर विवाद ईस्तारी बांते (37) से हो रहा झगड़ा सुलझाने के लिए मृतक दिनेश बांते गया था. उस समय मुख्य आरोपी दुर्गेश्वर मदन मते ने दिनेश के सिर पर लकड़ी का डंडा मारकर



हत्या कर दी थी.

वहीं मदन गोदरू मते, मारोती मदन मते,

कठोर कारावास और 50,000 रु. का जुमाना

मामले में सरकारी पक्ष की ओर से एड.वी.बी. भोले ने गवाहों से परीक्षण कराया. मामले का न्याय न्यायाधीश पी.एस. खुने ने मुख्य आरोपी दुर्गेश्वर मदन मते को सात साल के कठोर कारावास और 50,000 रुपये के जुमाने की सजा सुनाई, जबकि मदन मते, मारोती मते, संजय मते, नीलम मते और एक महिला को दो साल बंधपत्र और प्रत्येक आरोपी को 15,000 रुपये की सजा सुनाई गई. दोषी पाए जाने पर दो साल के अच्छे व्यवहार के बांड पर रिहा कर दिया गया. इस मामले में पुलिस अधीक्षक लोहित मतानी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ईश्वर कातकड़े, उपविभागीय पुलिस अधिकारी अशोक बागुल, थानेदार गोकुल सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में पुलिस नाईक भगवान बांडेबुचे ने पैरवी अधिकारी की भूमिका निभाई.

संजय मदन मते, नीलम मदन मते, व एक महिला ने झगड़ा किया. इस संबंध में भंडारा पुलिस स्टेशन में छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. पुलिस निरीक्षक सुभाष बारसे और सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश पारधी ने

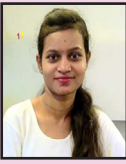
अपराध की जांच की.

पंचनामा और गवाहों की जांच के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया. मामला अपर एवं जिला सत्र न्यायालय में दायर किया गया.

## बोलता है भंडारा....

### डॉक्टर बना खासदार

इस बार के चुनाव में काटे की टक्कर रही थी, कभी भाजपा आगे तो कभी कांग्रेस आगे थी, अंत में डॉक्टर प्रशांत पडोले ने बाजी मारी।



- खुशी कावळे

इस बार बदलाव तय था, और वह कांग्रेस ने कर के दिखाया। और अब कांग्रेस अपने शहर का विकास जरूर करेगी, ऐसी बातें हो रही हैं। अब इस बार तो भी विकास करने का प्रयास होना चाहिए।



- मोनु खान

भाजपा को अच्छी टक्कर मिली मात्र आखिर में कांग्रेस का विजय हुआ, अब नए खासदार क्या विकास करते हैं वह देखने की बात है। अब तक विकास की बातें हो रही थीं। अब नई सरकार आने के बाद विकास होना तय है।



-जयेश तलमले

डॉक्टर प्रशांत पडोले से आशा करते हैं की वे भंडारा गोंदिया जिले का विकास करेंगे. क्योंकि सभी जिलावासियों ने उनको चुनके लाने में सहकार्य किया है। और उम्मीद से उनके चुनके लाया है की वे अपने जिले का विकास करें।



-निशीकांत निंबार्ते

बोलता है भंडारा मे आपको प्रतिक्रिया देना है तो इस ७७०९९५२२७२ व्हाट्स अप नंबर पे भेजे !

## संवाददाता तथा वितरक नियुक्त करना है।

भंडारा-गोंदिया जिले में साप्ताहिक आवाज भंडारा न्युज पेपर के लिए तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्र में संवाददाता तथा वितरक नियुक्त करना है।

संवाददाता के लिए किसी भी विषय में डिग्री पास होना अनिवार्य है।

: संपर्क करें :

शमशेर खान, मुख्य संपादक,

साप्ताहिक आवाज भंडारा

मो. ९४२२१७९१३६९, ७९७२७९५६५५

## धान खरीदी केंद्र चालकों की समस्याओं का होगा समाधान

पूर्व सांसद पटले ने ली प्रधान सचिव से भेंट

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : राज्य के खाद्य आपूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव रणजीत सिंह देओल से मुंबई में पूर्व सांसद शिशुपाल पटले ने मुलाकात की एवं जिले के धान खरीदी केंद्र संचालकों की समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की.

इस पर राज्य के नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल की अध्यक्षता में सह्याद्री मुंबई में बैठक आयोजित की गई थी, इस बैठक में धान खरीदी एजेंसियों की कम की गई कटौती को बहाल करने, कम की गई कमीशन पूर्ववत करने, पुरानी हमाली दरों को बढ़ाने की मांग की गई, आदि मांगें स्वीकार की गई थीं. लेकिन



अब तक सरकार द्वारा आदेश जारी नहीं किया गया. इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए पूर्व सांसद शिशुपाल पटले ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव देओल से मुलाकात की. इस पर सचिव ने कहा कि, इसके लिए वित्त विभाग की स्वीकृति आवश्यक है, सप्ताह के भीतर प्रस्ताव भेजने का आश्वासन दिया. इस अवसर पर धान खरीदी संघ के तहसील अध्यक्ष अनिल टेकाम उपस्थित थे.

## लॉज पर छापेमारी, महिला गिरफ्तार

देह व्यापार में सलंगन होने का संदेह

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : पवनी के एक लॉज पर छापेमारी कर पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार कर लिया है. इस महिला पर देह व्यापार करने के आरोप में उक्त कार्रवाई की गई है. जानकारी मिली है कि स्थानीय अपराध शाखा को उक्त स्थान पर देह व्यापार का संचालन किए जाने के बारे में गोपनीय जानकारी मिली थी.

इसी आधार पर स्थानीय अपराध शाखा की पुलिस ने पवनी पुलिस की मदद से कोरंभी रोड स्थित एक लॉज पर छापेमारी और एक महिला को हिरासत में लिया. उक्त कार्रवाई 1 जून को की गई. पिछले कुछ दिनों से स्थानीय क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि पवनी के कुछ लॉज और अन्य जगहों पर देह व्यापार का धंधा चल रहा है 1 जून को पवनी पुलिस की मदद से सूचना का सत्यापन किया गया. कोरंभी रोड स्थित एक लॉज पर छापेमारी मारा गया. उस समय उस



स्थान पर एक महिला मिली. पुलिस ने उक्त महिला को हिरासत में ले लिया.

पुलिस की इस कार्रवाई से देह व्यापार करने वाली महिलाओं में हड़कंप मच गया है. कार्रवाई स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक नितिन चिंचोलकर, सपोनि पुंजरवाड, पुलिस उपनिरीक्षक कुलमथे,

पुलिस हवलदार अजय बारापात्रे, कैलाश पडोले, संदीप मते, रमेश बेदुरकर, श्रीकांत मस्के, अमोल खराबे, आशीष तिवारे, ममीता पटले, लक्ष्मी कापगते और पवनी के थानेदार नीलेश ब्राह्मणे, पुलिस उपनिरीक्षक निखिल रहाटे, पुलिस हवलदार किशोर बुरडे, नारायण हेडे आदि ने की है.

## ट्रक-टैंकर में भिड़ंत, 1 मृत

दुर्घटना में एक गंभीर जखमी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : राष्ट्रीय महामार्ग पर सराटी मोड़ के पास ट्रक और टैंकर की जबरदस्त टक्कर हुई. इसमें टैंकर चालक की जलकर मृत्यु हो गई तथा ट्रक चालक गंभीर जखमी हुआ. प्राप्त जानकारी के अनुसार सराटी मोड़ के पास दोपहर करीब 4:30 बजे नागपुर से साकोली आ रहे ट्रक क्र. एमएच 18 एए 6993 जिसमें प्याज भरा हुआ था. टैंकर क्र. एमएच 40 सीएम 7997 जो डू साकोली से नागपुर की ओर जा रहा था.

इसमें ट्रक ने टैंकर को जोरदार टक्कर मारी. टैंकर में गैस होने से आग लगकर धो धो जलने लगा. जिससे टैंकर चालक



कसराम सराय, उत्तर प्रदेश निवासी बृजलाल यादव (54) की टैंकर में ही मृत्यु हो गई. आग बुझाने के लिए साकोली नगर परिषद का अग्निशमन बुलाया गया. लेकिन नगर परिषद साकोली के अग्निशमन का पाइप फटा होने से समय पर काम नहीं करने के कारण टैंकर चालक को बचाया नहीं

जा सका. वहीं ट्रक के चालक मालेगांव नासिक निवासी मनोहर नारायण गायकवाड (39) गंभीर जखमी होने से उसे भंडारा के जिला में रवाना किया गया. घटना के पश्चात समाचार लिखे जाने तक 2 घंटे ट्रैफिक जाम था, आगे की जांच साकोली पुलिस स्टेशन द्वारा जारी है.

## बूचड़खाने ले जा रहे मवेशियों की जान बचाई

सोदेपुर से चिचोली के बीच की गई कार्रवाई



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

गोबरवाही : जिले से बड़े पैमाने पर अब भी मवेशियों को कसाईखाने की ओर ढोया जा रहा है. गोबरवाही पुलिस ने सोदेपुर से चिचोली के बीच अवैध रूप से की गई कार्रवाई में मवेशियों को कसाईखाने से छुड़ाया. यह कार्रवाई शनिवार 1 जून मध्य रात्रि के पश्चात 2 जून तड़के अंदाजन 1:30 बजे की गई. फरयादी से जानकारी मिलते ही गोबरवाही पुलिस दल ने रात्रिकालीन पेट्रोलिंग के दौरान थानेदार विनोद गिरि के नेतृत्व में जंगल में बसे सोदेपुर से चिचोली डामर सड़क मार्ग पर रेलवे अंडर ब्रिज के पास डेरा डाल दिया.

सफेद रंग की बोलोरो पिकअप क्र. एमएच.28-बीबी 4998 को मवेशियों को भरकर आते देख उसका पीछा किया और रिंग हाथ पकड़ा. इस वाहन में मवेशियों का अवैध परिवहन किया जा रहा था. आरोपी पिकअप चालक कामठी निवासी आबिद शमीम अख्तर (30) और सिहोरा निवासी रशिद उर्फ राजू वहाब शेख (35) पर भार्दवी की विविध धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया. इस वाहन में टूंसटूंसकर 12 गाये भरी हुई थी, उनकी कीमत 1 लाख 20 हजार रुपये है. पिकअप वाहन की कीमत 3 लाख 50 हजार रुपये है. पुलिस ने गाये और दुलाई के काम में लाए जाने वाले वाहन को अपने कब्जे में लिया. इस कार्रवाई में गोबरवाही पुलिस दल के पुलिस उपनिरीक्षक लक्ष्मण यादव, भास्कर भोंगाडे, सिपाही मुकेश गायधने ने शामिल हुए.

## 5 महीने में 45 नागरिकों पर पुलिस ने की कार्रवाई

नशे में वाहन चलाने वालों में युवाओं की संख्या अधिक

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : शराब पीकर गाड़ी चलाना कानूनी अपराध है. बहुत से लोग आज भी शराब पीकर गाड़ी चला रहे हैं. पुलिस प्रशासन - की ओर से नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ ड्रक एंड ड्राइविंग के मामले भी दर्ज - किए जा रहे हैं. नशे में गाड़ी चलाना दुर्घटनाओं - को न्योता देता है.

इसमें वाहन चालकों और पैदल चलने वालों की जान भी जा रही है. भंडारा जिले में शराब पीकर वाहन चलाने - वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है.

पिछले पांच माह में 45 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

कार्रवाई क्या है ?

पुलिस की ओर से मोटर वाहन अधिनियम के तहत ड्रक एंड ड्राइव के तहत थाने में मामला दर्ज किया जाता है. मेडिकल सर्टिफिकेट व अन्य जांच के बाद कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया जाता है.

इसमें जुमाने के साथ सजा का भी प्रावधान है. शराब पीकर गाड़ी चलाने वाला दोबारा गाड़ी चलाते हुए पाए जाने पर ड्राइविंग लाइसेंस भी जब्त किया जा सकता है.

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : शनिवार, 1 जून को एक नाबालिग लड़की से अपने जन्मदिन के मौके पर आरोपी की ओर से बलात्कार किए जाने की सनसनी खेज घटना हुई. पीड़ित लड़की की मां की शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर भंडारा पुलिस ने चांदनी चौक भंडारा निवासी निवृत्ति इडपाचे और पीयूष मडामे दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. पीड़िता शहर के एक वार्ड की रहने वाली है.

उसकी उम्र 13 साल 7 महीने है और वह नौवीं कक्षा में पढ़ती है. जैसा कि शिकायत में बताया गया है कि 1 जून को जब परिवार के सभी सदस्य घर पर थे तब बच्ची पड़ोस में खुली जगह पर खेलने गई थी. जब मां रात के खाने के लिए बेटी को बुलाने गई तो



वह वहां नहीं मिली. उसने इस बारे में अपनी भांजी को बताया.

भांजी उसे खोजकर घर ले आई. भांजी ने कहा कि पीड़िता को सागर तालाब चांदनी चौक के पास सड़क पर एक लड़के के साथ मोटरसाइकिल पर जाते हुए देखा था.

जब लड़की से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि चूँकि उस दिन उसके दोस्त निवृत्ति इडपाचे का जन्मदिन था, इसलिए वह निवृत्ति और उसका दोस्त पीयूष मडामे के साथ मोटरसाइकिल से गई थी. निवृत्ति इडपाचे ने सागर तालाब की पार पर उसके साथ बलात्कार किया. इस मामले में पीड़ित बच्ची की मां की शिकायत पर दो जून को शिकायत की गई. पुलिस ने चांदनी चौक भंडारा निवासी निवृत्ति इडपाचे और पीयूष मडामे दोनों के खिलाफ भार्दवी की धारा 376 (2) (जे), 376(3), 114 और बाल यौन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है.